ग्रामीण कृषि मौसम सेवा : मौसम आधारित फसल और पशुधन प्रबंधन

रोहित[1] एवं अभिजीत[2]
[1,2]शोध छात्र, कृषि प्रसार विभाग, चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर
Email Id: ashwanikumar761994@gmail.com

कृषि के विकास एवं उत्पादन के लिए मौसम की जानकारी अत्यंत ही आवश्यक तथा महत्वपूर्ण है। मौसम की जानकारी के आधार पर ही कृषक कृषि के विभिन्न क्रियाकलापों यथा जोत का समय, बुवाई, उर्वरक, सिंचाई, कटाई एवं मड़ाई आदि को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान देता है, जिससे कि मौसम के द्वारा होने वाले दुष्प्रभाव को कम किया जा सके।

कृषि मौसम के पूर्वानुमान के लिए ब्लॉक स्तर पर किसान समुदाय के लाभ के लिए स्थान के आधार पर फसल और मौसम आधारित कृषि सलाह जारी करने के लिए ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (जीकेएमएस) परियोजना शुरू की गई है। यह हर मंगलवार और शुक्रवार को और जब भीषण मौसम होता है कृषि परामर्श जारी करता है।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा की शुरुआत 2015 में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा किसानों को सप्ताह में दो बार जिला स्तर प्रिंट/विजुअल/रेडियो/आ. ईटी जैसे शॉर्ट मैसेज सर्विस (एसएमएस) और इंटीग्रेटेड वॉयस रिस्पांस सिस्टम पर फसल–विशिष्ट सलाह प्रदान करने के लिए की गई। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा को भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद आदि के सहयोग से लागू की गई है।

जिला कृषि मौसम इकाई को कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा बहुत ही कम समय में सुगमता से स्थापित किया जा सका तथा ग्रामीण कृषि मौसम सेवा इसी का का अंग है। यह कृषक समुदाय के लाभ के लिए फसल और स्थान–विशिष्ट मौसम–आधारित कृषि सलाह जारी करती है। जीकेएमएस के तहत कृषि–मौसम संबंधी सलाहकार सेवाएं (एएएस) द्वि–साप्ताहिक मौसम–आधारित बुलेटिन तैयार करने के लिए आयोजित की जाती हैं।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा के लाभ

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (जीकेएमएस) के तहत सप्ताह में दो बार बुलेटिन तैयार करने के लिए कृषि मौसम विज्ञान सलाहकार सेवा (एएएस) संचा. लित की जाती है।
- किसानों को मौसम के अनुसार कृषि कार्यों की योजना बनाने में मदद करने के लिए सूचना मल्टीमीडिया चौनलों और एसएमएस के माध्यम से भी प्रसारित की जाती है।
- किसान महत्वपूर्ण कृषि कार्यों के लिए ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (जीकेएमएस) सेवा उत्पादों का उपयोग कर रहे हैं जैसे कि बुवाई के बीज का प्रबंधन (बारिश की शुरुआत में देरी के दौरान) य वर्षा में देरी के दौरान फसल की किस्म बदलना, रोग नियंत्रण के लिए कीटनाशकों का छिड़काव और भारी वर्षा के पूर्वानुमान के दौरान सिंचाई का प्रबंधन।
- ये मौसम आधारित कृषि सलाह किसानों को दिन–प्रतिदिन के कृषि कार्यों पर निर्णय लेने में मदद करती है, जो कि कम वर्षा की स्थिति और चरम मौसम की घटनाओं के दौरान कृषि स्तर पर इनपुट संसाधनों के अनुप्रयोग को और अधिक अनुकूलित कर सकती है ताकि मौद्रिक नुकसान को कम किया जा सके और फसल की उपज को अधिकतम किया जा सके।

जीकेएमएस योजना के तहत

वर्तमान में, देश के 690 जिलों को कवर करते हुए 43.37 मिलियन किसान सीधे एसएमएस के माध्यम से एग्रोमेट एडवाइजरी प्राप्त करते हैं।

आईसीएआर के केवीके ने अपने वेब पोर्टल में संबंधित जिला स्तरीय परामर्श का लिंक भी दिया ळें भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा एक मोबाइल ऐप अर्थात 'मेघदूत' भी लॉन्च किया गया है, ताकि किसानों को उनके जिलों के लिए अलर्ट और संबंधित एग्रोमेट एडवाइजरी सहित मौसम की जानकारी प्राप्त करने में मदद मिल सके।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन बनाने की प्रक्रिया

भारतीय मौसम विभाग के द्वारा अगले 5 दिन की मौसम पूर्वानुमान को प्रदर्शित किया जाता है तत्पश्चात संबंधित कृषि जलवायु क्षेत्र के कृषि मौसम के बारे में क्षेत्राधिकारी से विषय वस्तु विशेषज्ञ (कृषि मौसम) विचार विमर्श करते हैं तथा क्षेत्र विशेष क्रियाकलापों के आधार पर मौसम आधारित सलाह दिया जाता है। जिला तथा ब्लॉक स्तर पर इस सूचना को विषय वस्तु विशेषज्ञ कृषि मौसम के द्वारा जिले के विभिन्न कृषि संबंधित संगठन तथा किसानों तक मोबाइल संदेश/व्हाट्सएप ग्रुप/सोशल मीडिया एवं समाचार पत्रों के माध्यम से किसानों तक पहुंचाया जाता है तथा इसी बुलिटिन को भारतीय मौसम विभाग के कृषि मौसम इकाई को भी ऑनलाइन माध्यम से प्रेषित किया जाता है। विषय वस्तु विशेषज्ञ (कृषि मौसम) के द्वारा समय–समय पर क्षेत्र के किसानों को मौसम आधारित जागरूकता, सूचनाओं एवं ट्रेनिंग प्रदान किया जाता है

निष्कर्ष

यह योजना भारत में कृषक समुदाय को लाभ पहुंचाने के लिए मौसम आधारित फसल और पशुधन प्रबंधन रणनीतियों और संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस योजना के तहत जिला और ब्लॉक स्तर पर मध्यम अवधि के मौसम का पूर्वानुमान तैयार किया जाता है जिसका उपयोग कृषि आधारित सलाह प्रदान के लिए प्रयोग किया जाता है। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा के द्वारा मौसम के पूर्वानुमान की जानकारी होने पर कृषक मौसम के अनुसार अपने कृषि एवं पशु संबंधित क्रियाकलापों एवं व्यवस्थाओं का प्रबंधन करता है जिससे कि हानि को कम किया जा सके।

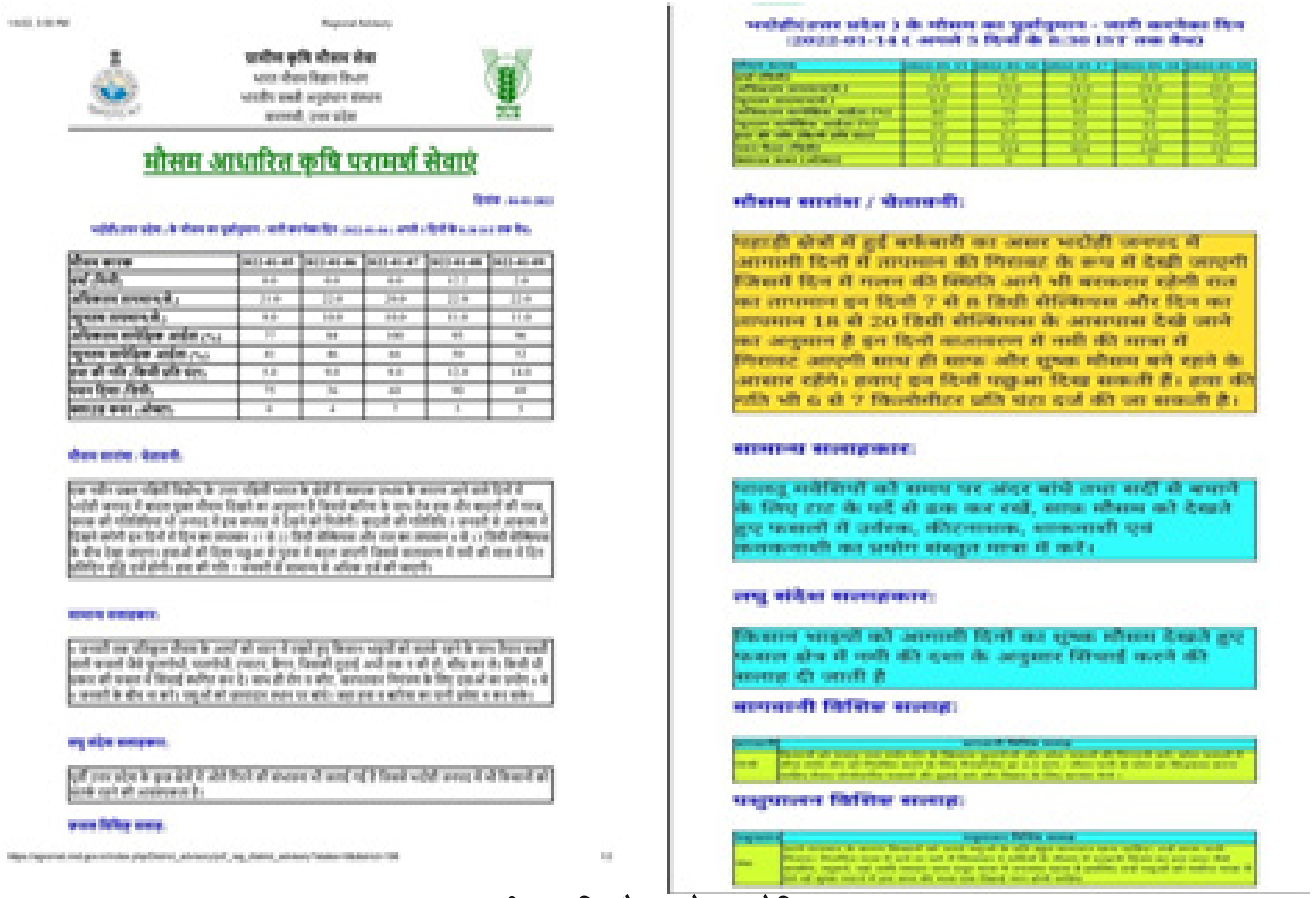

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन